विस्तृत पाठ्य-विवरण

(Detailed Syllabus)

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर – एम. ए. एस.

एम.ए.- समाजशास्त्र

एम.ए.एस.

(क्रेडिट - 80)

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

गांधी हिल्स, वर्धा- 442001 (महाराष्ट्र) भारत

एम.ए. समाजशास्त्र (एम.ए.एस.) पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष – (क्रेडिट - 40)

प्रथम सेमेस्टर			
क्रम.सं.	कोड	विषय	क्रेडिट
1.	एमएएस-01	समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास	4
2.	एमएएस-02	समाजशास्त्रीय विचारक (I)	4
3.	एमएएस-03	समाजशास्त्र की अवधारणाएँ	4
4.	एमएएस-04	सामाजिक मानवविज्ञान	4
5.	एमएएस-05	शिक्षा का समाजशास्त्र	4
		कुल क्रेडिट	20

द्वितीय सेमेस्टर			
क्रम.सं.	कोड	विषय	क्रेडिट
1.	एमएएस-06	भारतीय समाज	4
2.	एमएएस-07	समाजशास्त्रीय विचारक (II)	4
3.	एमएएस-08	समाज मनोविज्ञान	4
4.	एमएएस-09	शोध प्रविधि (I)	4
5.	एमएएस-10	लिंग एवं समाज	4
		कुल क्रेडिट	20

द्वितीय वर्ष – (क्रेडिट - 40)

तृतीय सेमेस्टर			
क्रम.सं.	कोड	विषय	क्रेडिट
1.	एमएएस-11	आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)	4
2.	एमएएस-12	शोध प्रविधि (II)	4
3.	एमएएस-13	भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	4
4.	एमएएस-14	सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण	4
5.	एमएएस-15	ग्रामीण समाजशास्त्र	4
		कुल क्रेडिट	20

चतुर्थ सेमेस्टर			
क्रम.सं.	कोड	विषय	क्रेडिट
1.	एमएएस-16	आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)	4
2.	एमएएस-17	भारतीय सामाजिक समस्याएँ	4
3.	एमएएस-18	संविधान एवं मानवाधिकार	4
4.	एमएएस-19	नगरीय समाजशास्त्र	4
5.	एमएएस-20	परियोजना कार्य	4
		कुल क्रेडिट	20

विषय कोड : एमएएस- 01

विषय का नाम : समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत –

- समाजशास्त्र के उद्भव के कारणों को समझ सकेंगे।
- समाजशास्त्र के उद्भव के पीछे फ्रांस एवं औद्योगिक क्रांति की भूमिका को समझने में सक्षम होंगे।
- समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध को समझ सकेंगे।
- समाजशास्त्र के इतिहास एवं विकास को समझ सकेंगे।
- विश्व के अन्य देशों में समाजशास्त्र के उद्भव एवं विकास को समझ सकेंगे।
- भारत में समाजशास्त्र के उद्भव एवं विकास के कारणों को समझ सकेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास

खण्ड (1) समाजशास्त्र का उद्भव की पृष्ठभूमि

इकाई : 1 समाजशास्त्र के उदय की सामाजिक परिस्थितियाँ

इकाई : 2 फ्रांस की क्रांति

इकाई : 3 इंग्लैंड की औद्योगिक क्रांति

खण्ड (2) समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध

इकाई : 1 समाजशास्त्र एवं मानवविज्ञान

इकाई : 2 समाजशास्त्र एवं मनोविज्ञान

इकाई : 3 समाजशास्त्र एवं अर्थशास्त्र

इकाई : 4 समाजशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र

खण्ड (3) समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास

इकाई : 1 यूरोप में समाजशास्त्र

इकाई : 2 अमेरिका में समाजशास्त्र

इकाई : 3 एक विषय के रूप में समाजशास्त्र

खण्ड (4) भारत में समाजशास्त्र

इकाई : 1 भारत में समाजशास्त्र की उत्पत्ति एवं इतिहास

इकाई : 2 भारत में समाजशास्त्र के संस्थापक

इकाई : 3 मनु, पुराण, ग्रंथ एवं कौटिल्य का समाजशास्त्र

इकाई : 4 समाजशास्त्र एवं भारतशास्त्र का संबंध

संदर्भ पुस्तकें -

Barnes, H. E. (1959). *Introduction to the history of sociology.* Chicago : The University of Chicago Press.

Coser, L. A. (1979). *Masters of sociological thought.* New York : Harcourt Brace Jovanovich.

Fletcher, R. (1994). *The making of sociology (2 volumes).* Jaipur : Rawat Pbc.

Morrison, K. (1995). *Marx, Durkheim, Weber : Formation of modern social thought.* London : Sage Pbc.

Ritzer, G. (1996). *Sociological theory.* New Delhi : Tata-McGraw Hill.

Singh, Y. (1986). *Indian sociology : Social conditioning and emerging trends.* New Delhi : Vistaar.

Zeitlin, I. (1998). *Rethinking sociology : A critique of contemporary theory.* Jaipur : Rawat.

विषय कोड : एमएएस- 02

विषय का नाम : समाजशास्त्रीय विचारक (I)

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त कर सकेंगे –

- समाजशास्त्र को एक विषय के रूप में स्थापित करने में समाजशास्त्रीय विचारकों की भूमिका को समझ सकेंगे।
- समाजशास्त्र के पितामह कहे जाने वाले अगस्त कॉम्ट के योगदान को समझ सकेंगे।
- समाजशास्त्र के विकास में हरबर्ट स्पेंसर की भूमिका को समझ सकेंगे।
- समाजशास्त्र के वैज्ञानिक पितामह कहे जाने वाले इमाइल दुर्खीम के सिद्धांत एवं योगदान को समझ सकेंगे।
- पारंपरिक विचारकों की श्रेणी में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मैक्स वेबर के योगदान को छात्र समझ सकेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

पारंपरिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)

खण्ड (1) **आगस्त कॉम्ट**

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 तीन स्तरों का नियम एवं प्रत्यक्षवाद

इकाई : 3 विज्ञानों का संस्तरण, सामाजिक स्थिति विज्ञान एवं सामाजिक गति विज्ञान

इकाई : 4 सामाजिक पुनर्निर्माण का सिद्धांत

खण्ड (2) **हरबर्ट स्पेंसर**

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 समाज एक सावयव के रूप में

इकाई : 3 सामाजिक उद्विकास के नियम

इकाई : 4 सैनिक एवं औद्योगिक समाज

खण्ड (3) **इमाइल दुर्खीम**

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 समाजशास्त्रीय पद्धति के नियम : सामाजिक तथ्य एवं प्रत्यक्षवाद

इकाई : 3 आत्महत्या एवं श्रम विभाजन का सिद्धांत

इकाई : 4 धर्म का सामाजिक सिद्धांत एवं सावयवी तथा यांत्रिक एकता

खण्ड (4) **मैक्स वेबर**

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 सामाजिक क्रिया की अवधारणा एवं आदर्श प्रारूप

इकाई : 3 सामाजिक व्यवस्था : प्रभुत्व एवं शक्ति

इकाई : 4 धर्म एवं पूंजीवाद

संदर्भ पुस्तकें -

Abraham, F. & Morgan, J.H. (1985). *Sociological thoughts.* India Ltd: Ms millan.

Aron, Raymond. (1965&1967). *Main currents in sociological thought. Vol.I&II*: Penguin.

Randall, Collins. (1997). *Sociological theory*. Jaipur : Rawat Publications.

Coser, Lewis. (1996). *Masters of Sociological thought*. Delhi : Rawat Publications.

Giddens, Anthony. (1997). *Capitalism and Modern Social Theory: An analyses of writings of Marx, Durkheim and Weber.* Cambridge : University Press.

Ritzer, George. (1992). *Sociological theory*. New York : McGraw Hill.

Turner, J.H. (1995). *The structure of sociological theory*. Jaipur : Rawat Publication.

विषय कोड : एमएएस- 03

विषय का नाम : समाजशास्त्र की अवधारणाएँ

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

विद्यार्थी निम्नलिखित को समझने में सक्षम हो सकेंगे –

- समाजशास्त्र की विषयवस्तु एवं इसकी उपयोगिता को समझ सकेंगे।
- छात्र समाज एवं समुदाय को समझ सकेंगे एवं इन दोनों में अंतर को स्पष्ट कर सकेंगे।
- समाजशास्त्र विषय एवं समाज के बीच के अंतरसंबंधों को समझ सकेंगे।
- सामाजिक गतिशीलता एवं सामाजिक स्तरीकरण की अवधारणा को समझ सकेंगे। इनमें अंतर को समझने में सक्षम हो सकेंगे।
- सामाजिक संस्थाओं की कार्यपद्धति तथा इनकी समालोचना करने में छात्र सक्षम होंगे।
- विद्यार्थी संस्कृति एवं सभ्यता को भी समझ सकेंगे। इनमें अंतर को भी स्पष्ट कर सकेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

समाजशास्त्र की अवधारणाएँ

खण्ड (1) समाजशास्त्र की परिभाषा एवं मुख्य अवधारणाएँ

इकाई : 1 समाजशास्त्र की परिभाषा, विषय क्षेत्र एवं विषयवस्तु

इकाई : 2 समाज : अर्थ, प्रकार एवं अवधारणाएँ

इकाई : 3 समुदाय एवं सामाजिक समूह

इकाई : 4 समिति एवं संस्था

खण्ड (2) सामाजिक संरचना

इकाई : 1 प्रस्थिति एवं भूमिका

इकाई : 2 सामाजिक स्तरीकरण एवं सामाजिक गतिशीलता

इकाई : 3 आदर्श, मूल्य एवं सामाजिक प्रतिमान

खण्ड (3) सामाजिक संस्थाए एवं सामाजीकरण

इकाई : 1 समाजीकरण : अर्थ, परिभाषा, सिद्धांत एवं प्रकार

इकाई : 2 परिवार : अर्थ, प्रकार्य एवं नवीन प्रवृत्तियां

इकाई : 3 वर्ग : अर्थ, प्रकार एवं विशेषताएँ

खण्ड (4) संस्कृति एवं सभ्यता

इकाई : 1 संस्कृति: अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार

इकाई : 2 संस्कृति : तत्त्व, संकुल एवं सांस्कृतिक प्रतिमान

इकाई : 3 सभ्यता : अर्थ, परिभाषा एवं संस्कृति तथा सभ्यता में अंतर

संदर्भ पुस्तकें -

Dube, L. (1997). *Women and Kinship : Comparative Perspectives on Gender in South and South East Asia.* New Delhi : Sage Publications.

Fox, R. (1967). *Kinship and Marriage : An Anthropological Perspective.* Harmondsworth : Penguine Pbc.

International Encyclopaedia of Social Science, (1968).

Keesing, R. M. (1975). *Kin Groups and Social Structure.* New York : Holt Rinehart and Winston.

Radcliff Brown, A. R., & Daryll F. (Ed.). (1950). *African Systems of Kinship and Marriage.* London : Oxford University Press.

Shah, A. M. (1998). *The Family in India : Critical Essays.* New Delhi : Orient Longman Pbc.

Uberoi, Patricia. 1993. Family, Kinship and Marriage in India. New Delhi, Oxford University Press.

विषय कोड : एमएएस- 04

विषय का नाम : सामाजिक मानवविज्ञान

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

विद्यार्थी निम्नलिखित को समझने में सक्षम हो सकेंगे –

- सामाजिक मानवशास्त्र की प्रकृति, क्षेत्र, विषयवस्तु एवं मानवशास्त्र का अन्य विज्ञानों से संबंध को समझने में छात्र सक्षम होंगे।
- संस्कृति के तत्त्वों, उपदानों एवं सिद्धांतों को समझ सकेंगे। संस्कृति के सिद्धांत को समझने एवं समालोचना करने में सक्षम होंगे।
- धर्म, जादू एवं विज्ञान में अंतर को स्पष्ट कर सकेंगे। समाज में इनकी प्रासंगिकता को भी समझ सकेंगे।
- आदिम जनजातियों के वंश, गोत्र एवं युवागृह की कार्यपद्धतियों को समझने में सक्षम होंगे।
- जनजातियों के अर्थव्यवस्था एवं विनिमय व्यवस्था को समझ सकेंगे तथा इनकी वर्तमान समाज के संदर्भ में समालोचना भी सकेंगे।
- आदिम जनजातियों की परिवार, विवाह एवं नातेदारी व्यवस्था को समझ सकेंगे।
- भारतीय जनजातियों से परिचित होंगे एवं उनकी कार्यपद्धती से भी छात्र परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

सामाजिक मानवविज्ञान

खण्ड (1) सामाजिक मानवशास्त्र की प्रकृति एवं क्षेत्र

इकाई : 1 मानवशास्त्र की परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र एवं विषयवस्तु

इकाई : 3 सामाजिक मानवशास्त्र परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र एवं विषयवस्तु

इकाई : 4 मानवशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ संबंध

खण्ड (2) संस्कृति एवं परिवार

इकाई : 1 संस्कृति की प्रकृति, परिभाषा एवं मानवशास्त्रीय अर्थ

इकाई : 2 संस्कृति उपादान एवं संस्कृति के सिद्धांत

इकाई : 3 परिवार : अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं उत्पत्ति के सिद्धांत

इकाई : 4 नातेदारी : परिभाषा एवं प्रकार

खण्ड (3) आदिम समाज - I

इकाई : 1 धर्म, जादू, विज्ञान एवं टोटम

इकाई : 2 वंश, गोत्र एवं भ्रातृदल

इकाई : 3 युवागृह : संरचना एवं प्रकार्य

इकाई : 3 आदिम अर्थव्यवस्था

खण्ड (4) आदिम समाज - II

इकाई : 1 जनजाति : अर्थ, वर्गीकरण, वितरण एवं परिवर्तन

इकाई : 2 विवाह : परिभाषा, प्रकार एवं सिद्धांत

इकाई : 3 भारत की जनजातियां : भील, गोंड, संथाल, थारु, ख़ासी, गारो, जयंतिका एवं नागा

इकाई : 4 जनजातीय समस्याएँ एवं कल्याणार्थ योजनाएं

संदर्भ पुस्तकें -

Desai, A. R. (1979). *Peasant struggles in India.* Bombay : Oxford University Press.

Dube, S. C. (1977). *Tribal Heritage of India.* New Delhi : Vikas Pbc.

Hasnain, N. (1983). *Tribes in India.* New Delhi : Harnam Publications.

Rao, M. S. A. (1979). *Social Movements in India.* Delhi : Manohar Pbc.

Raza, M., & Ahmad, A. (1990). An Atlas of Tribal India. Delhi : Concept Publishing.

Sharma, S. (1994). Tribal Identity and Modern World. New Delhi : Sage Pbc.

Singh, K. S. (1985). *Tribal Society.* Delhi : Manohar Pbc.

Singh, K. S. (1984). *Economies of the Tribes and Their Transformation.* New Delhi : Concept Publishing.

Singh, K. S. (1982). *Tribal Movements in India (Vol. I & II).* New Delhi : Manohar Pbc.

Singh, K. S. (1995). *The Scheduled Tribes.* New Delhi : Oxford University Press.

विषय कोड : एमएएस- 05

विषय का नाम : समाजशास्त्र एवं शिक्षा

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

विद्यार्थी निम्नलिखित को समझने में सक्षम हो सकेंगे –

- समाजशास्त्र एवं शिक्षा के बीच अंतरसंबंध को समझ सकेंगे।
- सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक विकास के लिए शिक्षा के महत्त्व को छात्र समझ सकेंगे।
- भारतीय समाज में शिक्षा के उद्भव एवं विकास को समझ सकेंगे।
- छात्र महिला एवं दूर शिक्षा के महत्त्व को समझ सकेंगे।
- प्राथमिक, उच्च, एवं तकनीकी शिक्षा से भी छात्र परिचित होंगे।
- राष्ट्रीय विकास में शिक्षा किस प्रकार अपना योगदान दे रही है इसकी समालोचना करने में छात्र सक्षम होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

समाजशास्त्र एवं शिक्षा

खण्ड (1) समाजशास्त्र एवं शिक्षा

इकाई : 1 शिक्षा एवं समाजशास्त्र : परिभाषा, विशेषताएं, सिद्धांत एवं संबंध

इकाई : 2 शिक्षा एवं समाजीकरण

इकाई : 3 सामाजिक परिवर्तन एवं शिक्षा का संबंध

खण्ड (2) शिक्षा एवं वैश्वीकरण

इकाई : 1 पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण एवं शिक्षा

इकाई : 2 धर्म, धर्मनिरपेक्षता एवं शिक्षा

इकाई : 3 मानवाधिकार एवं शिक्षा

खण्ड (3) भारतीय समाज में शिक्षा

इकाई : 1 भारतीय शिक्षा व्यवस्था की विकास-यात्रा

इकाई : 2 महिला शिक्षा

इकाई : 3 मुक्त दूरस्थ शिक्षण

खण्ड (4) भारतीय समाज, राज्य एवं शिक्षा

इकाई : 1 भारतीय संविधान एवं शिक्षा

इकाई : 2 शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति : प्राथमिक, उच्च, तकनीकी एवं कंप्यूटर शिक्षा

इकाई : 3 शिक्षा : राजनीतिक विचारधाराएं एवं भौगोलिक सीमाएं

संदर्भ पुस्तकें -

Acker, S. (1994). *Gendered Education: Sociological Reflections on Women.* Buckingham: Open University Press.

Olive, B. (1971). *Sociology of Education.* London : Batsford.

Banks, J. A., & Lynch, J. (Ed.). (1986). *Multicultural Education in Western Societies.* London : Holt Saunders.

Blackledge, D., & Hunt, B. (1985). *Sociological Interpretations of Education.* London : Crom Helm..

Chanana, K. (1988). *Socialization, Education and Women : Explorations in Gender Identity.* New Delhi : Orient Longman.

Chanana, K. (1979). *Towards a Study of Education and Social Change.* In Economic and Political Weekly, 27&14 (4) 64-157.

Chitnis, S., & Altbach, P. G. (1993). *Higher Education Reform in India, Experience and Perspectives.* New Delhi : Sage.

Craft, M. (Ed.). (1970). *Family, Class and Education : A Reader.* London : Longman Pbc.

Dreze, J. & Sen, A. (1995). *India Economic Development and Social Opportunity.* Oxford : Oxford University Press.

Gandhi, M. K. (1962). *Problems of Education.* Ahmedabad : Navjeevan Prakashan.

Gore, M. S. (Ed.). (1975). *Papers on the Sociology of Education in India.* New Delhi : NCERT.

Halsey, A. H., Hugh, L., Phillips, B., & Wells, A. S. (1997). *Education, Culture, Economy and Society.* Oxford : Oxford University Press.

विषय कोड : एमएएस- 06

विषय का नाम : भारतीय समाज

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- भारतीय समाज की ग्रामीण एवं शहरी सामाजिक संरचना से छात्र परिचित होंगे।
- भारतीय विवाह, परिवार एवं नातेदारी व्यवस्था से छात्र परिचित होंगे। इनके प्रकारों को भी छात्र समझ सकेंगे।
- भारतीय सामाजिक व्यवस्था एवं प्रकार्य को छात्र समझ सकेंगे।
- जाति एवं वर्ग की अवधारणा को छात्र समझ सकेंगे।
- भारतीय समाज के विभिन्न वर्गों से छात्र परिचित होंगे।
- विभिन्न भारतीय सामाजिक संगठनों से छात्र परिचित होंगे। इन संगठनों के उद्देश्य एवं कार्यपद्धति को विद्यार्थी समझ सकेंगे एवं इनमें अंतर भी स्पष्ट कर सकेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

भारतीय समाज

खण्ड (1) सामाजिक संरचना

इकाई : 1 वर्ण व्यवस्था

इकाई : 2 आश्रम व्यवस्था : विशेषताएं एवं प्रकार

इकाई : 3 ग्रामीण सामाजिक संरचना

इकाई : 4 नगरीय सामाजिक संरचना

खण्ड (2) परिवार, विवाह एवं नातेदारी

इकाई : 1 संयुक्त परिवार : परिभाषा, प्रकार एवं बदलते प्रतिमान

इकाई : 2 हिंदू विवाह : अर्थ, प्रकार एवं बदलते प्रतिमान

इकाई : 3 मुस्लिम विवाह : अर्थ, भेद एवं विवाह विच्छेद

इकाई : 4 नातेदारी : अवधारणा, व्यवस्था एवं आयाम

खण्ड (3) जाति एवं समुदाय

इकाई : 1 जाति : अवधारणा, विशेषताएं एवं सिद्धांत

इकाई : 2 जाति : निरंतरता एवं परिवर्तन

इकाई : 3 अनुसूचित जाति, पिछडी जाति एवं अल्पसंख्यक समूह

खण्ड (4) भारत में सामाजिक संगठन

इकाई : 1 हिंदू सामाजिक संगठन : आवधारणा एवं विशेषताएं

इकाई : 2 मुस्लिम सामाजिक संगठन : आवधारणा एवं विशेषताएं

इकाई : 3 सिक्ख एवं पारसी सामाजिक संगठन : आवधारणा एवं विशेषताएं

इकाई : 4 बौद्ध एवं जैन सामाजिक संगठन : आवधारणा एवं विशेषताएं

संदर्भ पुस्तकें -

Bose, N. K. (1967). *Culture and Society in India.* Bombay : Asia Publishing House.

Dube, S. C. (1990). *Society in India.* New Delhi : National Book Trust.

Dube, S. C. (1995). *Indian Village.* London : Routledge.

Dube, S. C. (1958). *India's Changing Villages.* London : Routledge & Kegan Paul.

Karve, I. (1961). *Hindu Society : An Interpretation.* Puna : Deccan College.

Lannoy, R. (1971). *The Speaking Tree : A Study of Indian Society and Culture.* Delhi : Oxford University Press.

Mandelbaum, D. G. (1970). *Society in India.* Bombay : Popular Prakashan.

Srinivas, M. N. (1980). *India : Social Structure.* New Delhi : Hindustan Publishing Corporation.

Srinivas, M. N. (1963). *Social Change in Modern India.* Berkeley : University of California Press.

Singh, Y. (1973). *Modernization of Indian Tradition.* Delhi : Thomson Press).

Uberoi, P. (1993). *Family, Kinship and Marriage in India.* New Delhi : Oxford University Press.

विषय कोड : एमएएस- 07

विषय का नाम : समाजशास्त्रीय विचारक (II)

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत छात्र –

- पाश्चात्य पारंपरिक समाजशास्त्रियों से परिचित होंगे।
- कार्ल मार्क्स के सिद्धांतों एवं विचारों से विद्यार्थी परिचित होंगे। विद्यार्थी मार्क्स के सिद्धांत की समालोचना कर सकेंगे।
- समाजशास्त्री विचारक विलफ्रेड़ों परेटो के योगदान से छात्र परिचित होंगे।
- तार्किक-अतार्किक क्रिया एवं सामाजिक परिवर्तन के चक्रीय सिद्धांतों से छात्र परिचित होंगे।
- पारसन्स के सामाजिक व्यवस्था, सामाजिक क्रिया एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांतों से छात्र परिचित होंगे।
- राबर्ट के मर्टन के सिद्धांतों से विद्यार्थी परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

समाजशास्त्रीय विचारक (II)

खण्ड (1) कार्ल मार्क्स

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 द्वंद्वात्मक भौतिकवाद एवं ऐतिहासिक भौतिकवाद

इकाई : 3 अधिसंरचना, अधोसंरचना एवं अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत

इकाई : 4 वर्ग एवं वर्ग-संघर्ष का सिद्धांत

खण्ड (2) विलफ्रेडो परेटो

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 तार्किक तथा अतार्किक क्रिया

इकाई : 3 विशिष्ट चालक एवं भ्रांत-तर्क

इकाई : 4 अभिजन-वर्ग एवं सामाजिक परिवर्तन का चक्रीय सिद्धांत

खण्ड (3) टालकट पारसंस

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 सामाजिक क्रिया एवं सामाजिक व्यवस्था का सिद्धांत

इकाई : 3 प्रकार्यात्मक एवं सामाजिक परिवर्तन का सिद्धांत

खण्ड (4) राबर्ट के. मर्टन

इकाई : 1 जीवन परिचय एवं कृतियाँ

इकाई : 2 मध्य स्तरीय सिद्धांत

इकाई : 3 संरचना-प्रकार्यात्मक विश्लेषण का पेराडिम

इकाई : 4 संदर्भ समूह, सामाजिक संरचना एवं आदर्श शून्यता का सिद्धांत

संदर्भ पुस्तकें -

Parsons, T. (). *The structure of social Action (vol.I&II).* New York : McGraw Hill.

Nisbet. (1966). *The Sociological Tradition.* London : Heinemann Educational Books Ltd.

Zeitlin, I. (1981). *Ideology and the Development Sociological Theory.* USA : Prentice Hall.

Dahrendorf, R. (1959). *Class and Class Conflict in an Industrial Society.* USA : Stanford University Press.

Popper, K. (1945). *Open Society and its Enemies.* London : Routledge Pbc.

Coser, L. A. (1977). *Masters of Sociological Thought.* New York : Harcourt Brace, pp. 43-87, 129-174, 217-260.

Giddens, A. (1970). *Capitalism and Modern Social Theory : An analysis of Writings of Marx, Durkheim and Weber.* England : Cambridge University Press.

Hughes, J. A., Martin, P. J., & Sharrock, W. W. (1995). *Understanding Classical Sociology : Marx, Weber and Durkheim.* London : Sage Publications.

विषय कोड : एमएएस- 08

विषय का नाम : समाज मनोविज्ञान

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- समाज मनोविज्ञान के स्वरूप एवं उपागम से छात्र परिचित होंगे।
- संज्ञान एवं संज्ञानात्मक अभिप्रेरणा को समझने में छात्र सक्षम होंगे।
- समूह निर्माण प्रक्रिया एवं नेतृत्व से छात्र परिचित होंगे।
- मनोवृत्ति निर्माण एवं परिवर्तन को छात्र समझ सकेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

समाज मनोविज्ञान

खण्ड (1)　　सामाजिक मनोविज्ञान का परिचय

इकाई : 1　　सामाजिक मनोविज्ञान की परिभाषा एवं प्रकृति

इकाई : 2　　समाज मनोविज्ञान की विधियां

इकाई : 3　　समकालीन सामाजिक परिवर्तन एवं वर्तमान सामाजिक समस्याएं

इकाई : 4　　पर्यावरण, मनोविज्ञान अंतर-समूह द्वंद्व एवं स्वास्थ्य

खण्ड (2)　　सामाजिक संज्ञान

इकाई : 1　　सामाजिक संज्ञान

इकाई : 2　　आत्म प्रत्यक्षीकरण

इकाई : 3　　व्यक्तिक प्रत्यक्षीकरण

इकाई : 4　　गुणारोपन

खण्ड (3)　　मनोवृत्ति

इकाई : 1　　मनोवृत्ति : परिभाषा, अवधारणा एवं विशेषताएँ

इकाई : 2　　मनोवृत्ति निर्धारक तत्त्व एवं मानव मूल्य

इकाई : 3　　मनोवृत्ति परिवर्तन एवं मनोवृत्ति के सिद्धांत

खण्ड (4)　　समूह एवं नेतृत्त्व

इकाई : 1　　समूह : परिभाषा, प्रकृति एवं कार्य

इकाई : 2　　समूह प्रभाव एवं समूह मनोबल

इकाई : 3　　नेतृत्त्व : अर्थ, प्रकृति, विशेषताएँ एवं कार्य

इकाई : 4　　नेतृत्त्व के प्रकार एवं सिद्धांत

संदर्भ पुस्तकें -

त्रिपाठी, एल. बी. एवं सहयोगी (1993). *आधुनिक सामाजिक मनोविज्ञान*. आगरा : हर प्रसाद भार्गव

Baron, R.A. & Mishra, G. (2014). *Psychology: Indian Subcontinent Edition.* Pearson.

Baron. R.A., Byrne, D. & Bhardwaj, G. (2010). *Social Psychology (12th Ed).* New Delhi: Pearson.

Mishra, G. (1990). *Applied Social Psychology*. New Delhi: Sage.

Mishra, G. (2009). *Psychology in India, Volume 4: Theoretical and Methodological Developments (ICSSR survey of advances in research).* New Delhi: Pearson.

Taylor, S. E., Peplau, L. A. & Sears, D.O. (2006). *Social Psychology (12th Ed).* New Delhi: Pearson.

Husain, A. (2012). *Social psychology.* New Delhi: Pearson.

Myers, D. G. (2008). *Social psychology.* New Delhi: Tata McGraw-Hill.

विषय कोड : एमएएस- 09

विषय का नाम : शोध प्रविधि (I)

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- शोध प्रविधि की परिभाषा, प्रकृति, विशेषताएँ एवं उद्देश्यों से छात्र परिचित हो सकेंगे।
- सामाजिक घटनाओं में वैज्ञानिक शोध की आवश्यकता एवं शोधार्थी की नैतिकता से छात्र परिचित होंगे।
- शोध के विभिन्न प्रकारों एवं इनकी अवश्यकताओं से छात्र परिचित होंगे।
- शोध की प्रक्रिया एवं शोध के चरण से छात्र परिचित होंगे।
- शोध सारांश, शोध पत्र एवं शोध आलेख से छात्र परिचित होंगे तथा इनमें अंतर को स्पष्ट कर सकेंगे।
- पुस्तक समीक्षा एवं शोध परियोजना प्रतिवेदन से छात्र परिचित होंगे।
- संदर्भ ग्रंथ सूची के विभिन्न प्रकारों से छात्र अवगत होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

शोध प्रविधि (II)

खण्ड (1) सामाजिक विज्ञान में शोध

इकाई : 1 शोध : अवधारणा, प्रकृति, उद्देश्य एवं विशेषताएं

इकाई : 2 तथ्य, सिद्धांत एवं अवधारणा

इकाई : 3 सामाजिक विज्ञान में शोध एवं शोध की वस्तुनिष्ठता

इकाई : 4 शोध एवं शोधार्थी की नैतिकता एवं आवश्यकताएं

खण्ड (2) शोध प्रचना/अभिकल्प

इकाई : 1 वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक

इकाई : 2 आनुभविक एवं अन्वेषणात्मक

इकाई : 3 मात्रात्मक एवं गुणात्मक

इकाई : 4 निदानात्मक एवं परीक्षणात्मक

खण्ड (3) शोध पद्धतियां

इकाई : 1 व्यक्तिक अध्ययन एवं व्यक्तिक वृत्त/इतिहास पद्धति

इकाई : 2 अंतर्वस्तु विश्लेषण

इकाई : 3 समाजमिति एवं प्रक्षेपी प्रविधि

इकाई : 4 नृजाति अध्ययन एवं क्यू पद्धति

खण्ड (3) शोध के चरण

इकाई : 1 सामाजिक शोध के चरण

इकाई : 2 साहित्य पुनरावलोकन

इकाई : 3 परिकल्पना/उपकल्पना

इकाई : 4 निदर्शन/प्रतिचयन

संदर्भ पुस्तकें -

Beteille, A., & Madan, T. N. (1975). *Encounter and Experience : Personal Accounts of Fieldwork.* New Delhi : Vikas Publishing House.

Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman.

Jayaram, N. (1989). *Sociology: Methods and Theory.* Madras : MacMillian.

Kothari, C. R. (1989). *Research Methodology : Methods and Techniques.* Bangalore : Wiley Eastern.

Punch, K. (1996). *Introduction to Social Research.* London : Sage Pbc.

Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Sage Pbc.

Srinivas, M. N., & Shah. A. M. (1979). *Fieldworker and The Field.* Delhi : Oxford Press.

Young, P. V. (1988). *Scientific Social Surveys and Research.* New Delhi : Prentice Hall.

Barnes, J. A. (1979). *Who Should Know What? Social Science, Privacy and Ethics.* Harmondsworth : Penguin Book.

Bleicher, M. (1988). *The Hermeneutic Imagination.* London : Routeldege & Kegan Paul.

Bose, P. K. (1995). *Research Methodology.* New Delhi : ICSSR.

Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman.

DeVaus, D. A. (1986). *Surveys in Social Research.* London : George Relen & Unwin.

Hughes, J. (1987). *The Philosphy of Social Research.* London : Longman Pbc.

Irvine, J., Miles, I., & Evans, J. (ed.). (1979). *Demystifying Social Statistics.* London : Pluto Press.

Madge, J. (1970). *The Origins of Scientific Sociology.* London : Tavistock Pbc.

विषय कोड : एमएएस- 10

विषय का नाम : लिंग एवं समाज

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित को समझने में सक्षम होंगे -

- लिंग एवं जेंडर की अवधारणा से परिचित होंगे एवं इनमें अंतर को स्पष्ट कर सकेंगे।
- लैंगिक असमानता के सिद्धांतों एवं अध्ययन के उपागमों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
- उत्तर-आधुनिक नारीवादी विद्वानों एवं सिद्धांतों से छात्र परिचित होंगे।
- महिला विकास एवं सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका के योगदान से छात्र परिचित होंगे।
- महिला सशक्तिकरण की विभिन्न संकल्पनाओं से छात्र परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

लिंग एवं समाज

खण्ड (1) लिंग का सामजिक निर्माण

इकाई : 1 जेंडर एवं सामाजिक संरचनाएं

इकाई : 2 इतिहास में स्त्रिया

इकाई : 3 पित्र सत्ता

इकाई : 4 जाति व्यवस्था एवं पितृसत्ता का अंतरसंबंध

खण्ड (2) नारीवादी सिद्धांत की विभिन्न धाराएं

इकाई : 1 उदारवादी

इकाई : 2 रेडिकल

इकाई : 3 समाजवादी एवं मार्क्सवादी

इकाई : 4 अश्वेत एवं दलित नारीवाद

खण्ड (3) महिला एवं विकास

इकाई : 1 विकास के विभिन्न नजरिए एवं आर्थिक विकास में स्त्री की भूमिका

इकाई : 2 स्त्री सशक्तिकरण के सरकारी एवं गैर सरकारी प्रयास

इकाई : 3 विकास की स्त्रीवादी आलोचना एवं वैकल्पिक विषय

इकाई : 4 भारतीय संविधान में स्त्री विषयक प्रावधान

खण्ड (4) जाति वर्ग एवं जेंडर

इकाई : 1 जाति, वर्ग एवं जेंडर का अंतरसंबंध एवं स्त्री मुक्ति का सवाल

इकाई : 2 आदिवासी एवं ख़ानाबदोश स्त्री के प्रश्न

इकाई : 3 सकारात्मक विभेद

संदर्भ पुस्तकें -

Altekar, A. S. (1983). *The Position of Women in Hindu Civilization.* Delhi : Motilal Banarasidass.

Chodrow, N. (1978). *The Reproduction of Mothering.* Berkeley : University of California Press.

Desai, N., & Krishnaraj, M. (1987). *Women and Society in India.* Delhi : Ajanta.

Dube, L. (Ed.). (1986). *Visibility and Power : Essays on Women in Society and Development.* New Delhi : OUP.

Forbes, G. (1998). *Women in Modern India.* New Delhi : Cambridge University Press.

Maccoby, E., & Carol, J. (1975). *The Psychology of Sex Differences.* Stanford : Stanford University Press.

McCormack, C., & Strathern, M. (Ed.). (1980). *Nature, Culture and Gender.* Cambridge : Cambridge University Press.

Myers, K. A. (Ed.). (1998). *Feminist Foundations : Towards Transforming Sociology.* New Delhi : Sage.

Oakley, A. (1972). *Sex, Gender and Society.* New York : Harper & Row Pbc.

Sharma, U. (1983). *Women, Work and Property in North-West India.* London : Tavistock Press.

Shulamitz, R., & Davidman, L. (1991). *Feminist Research Methods.* New York : Oxford University Press.

विषय कोड : एमएएस-11

विषय का नाम : आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- आधुनिक विचारकों के सिद्धांतों से छात्र परिचित होंगे।
- प्रघटना विज्ञान की परिभाषा, अर्थ एवं विद्वानों के योगदानों से छात्र परिचित होंगे।
- लोकविधि विज्ञान की अवधारणा एवं सिद्धांतवेत्ताओं से छात्र परिचित होंगे।
- लोकविधि एवं प्रघटना विज्ञान अध्ययन पद्धति की उपयोगिता को छात्र समझ सकेंगे।
- नवप्रकार्यवाद सिद्धांत एवं इस सिद्धांत को मनाने वाले विद्वानों से छात्र परिचित होंगे।
- नावमार्क्सवाद की अवधारणा को छात्र समझ सकेंगे। इस अवधारणा को स्थापित करने वाले विद्वानों के विचारों से छात्र अवगत होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (I)

खण्ड (1) प्रघटना विज्ञान

इकाई : 1 प्रघटना विज्ञान : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं

इकाई : 2 एडमण्ड हर्सेल

इकाई : 3 अल्फ्रेड श्चुट्ज़

इकाई : 4 पीटर बर्जर एवं थॉमस लकमैन

खण्ड (2) लोकविधि विज्ञान

इकाई : 1 लोकविधि विज्ञान : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं

इकाई : 2 हेराल्ड गार्फ़िंकल

इकाई : 3 इरविंग गॉफमैन

इकाई : 4 लोकविधि विज्ञान एवं प्रघटनाशास्त्र

खण्ड (3) नवप्रकार्यवाद

इकाई : 1 नवप्रकार्यवाद : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं

इकाई : 2 निकलास लुहमान

इकाई : 3 जेफ्रे सी. अलेक्जेंडर

खण्ड (4) नवमार्क्सवाद

इकाई : 1 नवमार्क्सवाद : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं

इकाई : 2 जुरगेन हेबरमास

इकाई : 3 लुइस अल्थुजर

इकाई : 4 नवप्रकार्यवाद एवं नवमार्क्सवाद

संदर्भ पुस्तकें :

Alexander, J. C. (1987). *Twenty lectures : Sociological theory since world war II.* New York : Columbia University Press.

Craib, I. (1992). *Modern social theory : From Parsons to Habermas.* London : Harvester Press.

Giddens, A. (1983). *Central problems in social theory : Action, structure and contradiction in social analysis.* London : Macmillan Pbc..

Turner, J. H. (1995). *The structure of sociological theory.* New Delhi : Rawat.

Zeitlin, I. M. (1998). *Rethinking sociology : A critique of contemporary theory*. New Delhi : Rawat Pbc.

Alexander, Jeffrey C. Ed. 1985. Neofunctionalism, London: Sage Publication.

Apter, David, E and Charles F. Andrin. 1972. Contemporary Analytical Theory. N.J. Prentice-Hall,

Inc, Englewood, Cliffs.

Bourdieu, Pierre. 1990. In Other Words: Essays Towards a Reflexive Sociology, Stanford: Stanford

University Press.

Derrida, J. 1978. Writing and Difference, Chicago: University of Chicago.

Focault, M. 1971. The Archaeology of Knowledge, New York: Pantheon Books.

Garfinkel, H. 1984. Studies in Ethnomethodology, Cambridge: Polity Press.

Luckmann, T. (ed.). 1978. Phenomenology and Sociology, Middlesex: Penguin Books.

Ritzer.G. 2005 (5th edition). Modern Sociological Theory, New York: McGraw –Hill Publication

Seidman,S.& Alexander, J.C. 2001. The New Social Theory Reader, London: Routledge.

विषय कोड : एमएएस-12

विषय का नाम : शोध प्रविधि (II)

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- सामाजिक घटनाओं के अध्ययन में शोध प्रविधि के अनुप्रयोगों से छात्र परिचित होंगे।
- तथ्य संग्रहण के तकनीकों एवं श्रोतों से छात्र परिचित होंगे।
- सामाजिक शोध की विभिन्न गुणात्मक पद्धतियों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
- शोध में सांख्यकीय पद्धतियों के प्रयोगों से भी छात्र परिचित होंगे।
- केंद्रीय प्रवृत्ति माप, विचलन एवं सह-संबंध पद्धतियों से छात्र परिचित होंगे। शोध में इन पद्धतियों का प्रयोग कैसे एवं कब करें इसे भी विद्यार्थी सीखेंगे।
- काई काई स्क्वायर (x^2) परीक्षण, t परीक्षण एवं F परीक्षण से भी छात्र परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

शोध प्रविधि (II)

खण्ड (1) **तथ्य : संग्रहण तकनीक एवं स्रोत**

इकाई : 1 प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत

इकाई : 2 प्रश्नावली एवं अनुसूची

इकाई : 3 अवलोकन एवं साक्षात्कार

खण्ड (2) **शोध सांख्यिकी - I**

इकाई : 1 केंद्रीय प्रवृत्ति की माप

इकाई : 2 विचलन

इकाई : 3 सह-संबंध

खण्ड (3) **शोध सांख्यिकी - II**

इकाई : 1 काई स्क्वायर (x^2) परीक्षण

इकाई : 2 t – परीक्षण

इकाई : 3 F – परीक्षण

खण्ड (4) **शोध पद्धतियाँ**

इकाई : 1 चर (VARIABLE)

इकाई : 2 विश्वसनीयता एवं वैधता

इकाई : 3 शोध में कंप्यूटर की भूमिका एवं उपयोग

संदर्भ ग्रंथ सूची -

Beteille, A., & Madan, T. N. (1975). *Encounter and Experience : Personal Accounts of Fieldwork.* New Delhi : Vikas Publishing House Pvt Ltd.

Fayeraband, P. (1975). *Against Method : Outline of an Anarchistic Theory of Knowledge.* London : Humanities Press.

Hawthorne, G. (1976). *Enlightment and Despair : A Hitory of Sociology.* Cambridge : Cambridge University.

Kuhn, T. S. (1970). *The Structure of Scientific Revolutions.* London : The University of Chicago Press.

Mukherjee, P. N. (Ed.). (2000). *Methodology in Social Research : Dilemmas and Perspectives.* New Delhi : Sage Pbc.

Popper, K. (1999). *The Logic of Scientific Discovery.* London : Routledge Pbc.

Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Longman Pbc.

Sjoberg, G., & Roger, N. (1997). *Methodology for Social Research.* Jaipur : Rawat Pbc.

Marsh, C. (1988). *Exploring Data.* Cambridge : Polity Press.

Srinivas, M. N., & Shah, A. M. (1979). *Field Worker and the Field.* New Delhi : Oxford Press.

Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman.

DeVaus, D. A. (1986). *Surveys in Social Research.* London : George Relen & Unwin.

विषय कोड : एमएएस-13

विषय का नाम : भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- अध्ययन के भारतीय सैद्धांतिक उपागमों से छात्र परिचित होंगे।
- भारत शास्त्र या ग्रंथ परिप्रेक्ष्य से छात्र परिचित होंगे। इस परिप्रेक्ष्य से संबंधित भारतीय विद्वानों के सिद्धांतों एवं विचारों से भी छात्र परिचित होंगे।
- संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक एवं मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य को विद्यार्थी समझ सकेंगे। छात्र इन परिप्रेक्ष्यों से जुड़े हुए विद्वानों से भी परिचित होंगे।
- भारतीय समाज के अध्ययन में आंद्रे बेतेई एवं योगेंद्र सिंह के सिद्धांतों से छात्र परिचित होंगे।
- भारतीय समाज के अध्ययन में सभ्यतावादी एवं अधीनस्थ समूह अध्ययन से को छात्र समझ सकेंगे।
- छात्र इन अध्ययन उपागमों के आधार पर भारतीय सामाजिक विद्वानों को समझ सकेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

भारतीय समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

खण्ड (1) भारत शास्त्र/ग्रंथ परिप्रेक्ष्य

इकाई : 1 जी.एस. घुर्ये

इकाई : 2 लुई ड्यूमा

इकाई : 3 राधा कमल मुकर्जी

इकाई : 4 इरावती कर्वे

खण्ड (2) संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य एवं मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य

इकाई : 1 एम.एन. श्रीनिवास, एस.सी. दुबे

इकाई : 2 डी.पी. मुखर्जी

इकाई : 3 ए.आर. देसाई

इकाई : 4 रामकृष्ण मुखर्जी

खण्ड (3) संस्तरणात्मक परिप्रेक्ष्य एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य

इकाई : 1 आंद्रे बेतेइ

इकाई : 2 योगेंद्र सिंह

खण्ड (4) सभ्यतात्मक परिप्रेक्ष्य एवं अधीनस्थ समूह परिप्रेक्ष्य

इकाई : 1 एन.के. बोस

इकाई : 2 सुरजीत सिन्हा

इकाई : 3 बी.आर. अंबेडकर

इकाई : 4 रणजीत गुहा, डेविड हार्डीमेन

Dube, S. C. (1973). *Social Sciences in a Changing Society.* Lucknow : Lucknow University Press.

Dube, S. C. (1967). *The Indian Village.* London : Routledge.

Dumont, L. (1970). *Homo Hierarchicus : The Caste System and its Implications.* New Delhi : Vikas Pbc.

Karve, I. (1961). *Hindu Society : An Interpretation.* Puna : Deccan College Press.

Mukherjee, D. P. (1958). *Diversities People's.* Delhi : Publishing House.

Oommen, T. K., & Mukherjee, P. N. (Ed.). (1986). *Indian Sociology : Reflections and Introspections.* Bombay : Popular Prakashan.

Srinivas, M. N. (1960). *India's Villages.* Bombay : Asia Publishing House.

Dhanagare. D.N.: Themes and perspectives in Indian sociology. Rawat Publication. Jaipur, 1993.

Dumont. Louis Homo Hyerrchicus : The Caste System and its implications. Vikas publications, New Delhi, 1970

Hardiman, David: the coming of the Devi : Adivasi Assertion in western India. Oxford University Press, 1987.

Marrott. Mckim : India through Hindu categories . Sage publication, Delhi, 1990.

Momin. A. R. : The legacy of G.S. Ghurye. A cemennial festschrift. Popular prakashan. Bombay. 1996.

Mukherjee. D.P. Diversities . Peoples publication house. Delhi. 1958.

Singh. Y: Indian Sociology social conditioning and emerging concerns. Vistaar publication. Delhi. 1996.

Singh. Y: Modernisation of Indian tradition. Thomson press. Delhi. 1973.

Singh. K.S. : The Peoples of India. An introduction. Seagull books. Calcutta. 1992.

Singh Y. Identity & Theory in Indian Sociology, Rawat Publication, Jaipur, 2004

विषय कोड : एमएएस-14

विषय का नाम : सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- छात्र सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया एवं स्वरूप से परिचित होंगे।
- सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न अवधाराणाओं को छात्र समझेंगे।
- विकास , उद्विकास एवं प्रगति में छात्र अंतर स्पष्ट कर सकेंगे।
- सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न कारकों एवं सिद्धांतों को समझने तथा लिखने में छात्र सक्षम होंगे।
- सामाजिक नियंत्रण अर्थ एवं परिभाषा से छात्र परिचित होंगे।
- समाज में नियंत्रण के औपचारिक एवं अनौपचारिक साधन की भूमिका से छात्र परिचित होंगे।
- सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांतकारों की भूमिका से विद्यार्थी परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

सामाजिक परिवर्तन एवं नियंत्रण

खण्ड (1) **सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा एवं प्रक्रिया**

इकाई : 1 सामाजिक परिवर्तन : परिभाषा, अर्थ एवं स्वरूप

इकाई : 2 सामाजिक उद्विकास एवं प्रगति

इकाई : 3 सामाजिक क्रांति एवं विकास

इकाई : 4 सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएं : नगरीकरण, औद्योगीकरण, आधुनिकीकरण एवं संस्कृतिकरण

खण्ड (2) **सामाजिक परिवर्तन के कारक एवं सिद्धांत**

इकाई : 1 सामाजिक परिवर्तन के जैविक एवं जनसंख्यात्मक कारण

इकाई : 2 सामाजिक परिवर्तन के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक कारक

इकाई : 3 सामाजिक परिवर्तन के रेखीय एवं चक्रीय सिद्धांत

इकाई : 4 मार्क्सवादी एवं प्रौद्योगिक निर्णयवादी सिद्धांत

खण्ड (3) **सामाजिक नियंत्रण : अर्थ एवं आधार**

इकाई : 1 सामाजिक नियंत्रण : परिभाषा, तत्त्व एवं उद्देश्य

इकाई : 2 सामाजिक नियंत्रण के औपचारिक साधन

इकाई : 3 सामाजिक नियंत्रण के अनौपचारिक साधन

खण्ड (4) **सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांत**

इकाई : 1 ई. ए. रॉस

इकाई : 2 दुर्खीम

इकाई : 3 पारसंस

इकाई : 4 डब्ल्यू. जी. समनर

विषय कोड : एमएएस- 15

विषय का नाम : ग्रामीण समाजशास्त्र

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- ग्रामीण समाजशास्त्र की अवधारणा, प्रकृति एवं उपयोगिता से छात्र परिचित होंगे।
- ग्रामीण समाजशास्त्र की उत्पत्ति, विकास एवं ग्रामीण अध्ययन के उपागमों से छात्र परिचित होंगे।
- ग्रामीण समाज की विभिन्न अवधारणाओं से छात्र परिचित होंगे।
- भारतीय ग्रामीण परंपरा एवं ग्रामीण सामाजिक व्यवस्था से छात्र परिचित होंगे।
- ग्रामीण जाति व्यवस्था, जाति पंचायत, जजमानी व्यवस्था एवं ग्रामीण शक्ति संरचना से छात्र परिचित होंगे।
- ग्रामीण विकास में पंचायती राज व्यवस्था एवं लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की व्यवस्था से छात्र परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

1. सत्रांत परीक्षा : 70 %
2. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

ग्रामीण समाजशास्त्र

खण्ड (1) ग्रामीण समाजशास्त्र : एक परिचय

इकाई : 1 ग्रामीण समाजशास्त्र : अवधारणा, महत्त्व एवं उपयोगिता

इकाई : 1 ग्रामीण समाजशास्त्र : उत्पत्ति एवं विकास

इकाई : 3 ग्रामीण समाजशास्त्र : अध्ययन के उपागम

खण्ड (2) ग्रामीण समाजशास्त्र की अवधारणाएं

इकाई : 1 लघु समुदाय, कृषक समाज एवं लोक-संस्कृति

इकाई : 2 लघु एवं बृहद परंपराएं

इकाई : 3 ग्रामीण नगरीय सातत्य

इकाई : 4 भारतीय ग्रामीण एवं नगरीय समुदाय

खण्ड (3) ग्रामीण सामाजिक संरचना

इकाई : 1 ग्रामीण सामाजिक स्तरीकरण

इकाई : 2 जाति-व्यवस्था एवं जाति पंचायत

इकाई : 3 अंतरजातीय संबंध एवं जजमानी व्यवस्था

इकाई : 4 ग्रामीण शक्ति संरचना : प्रभु जाति, ग्रामीण गुट एवं नेतृत्त्व

खण्ड (4) ग्रामीण शासन एवं विकास

इकाई : 1 ग्रामीण स्थानीय शासन : संरचना एवं प्रकार्य

इकाई : 2 पंचायत राज एवं लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण

इकाई : 3 भारत में ग्रामीण पुनर्निर्माण

इकाई : 4 सामुदायिक विकास कार्यक्रम

संदर्भ पुस्तकें -

Desai, A. R. (1959). *Rural Sociology India.* Bombay : Popular Prakashan.

Desai, A.R. (1979). *Rural India in Transition.* Bombay : Popular Prakashan.

Dsouza, A. (1978). *The Indian City : Poverty , Ecology and Urban development.* New Delhi : Manohar Pbc.

Berch, B. (Ed.). (1992). Class, State and Development in India. New Delhi : Sage.

Desai, A. R. (1977). *Rural Sociology in India.* Bombay : Popular Prakashan.

Radhakrishnan, P. (1989). *Peasant Struggles : Land reforms and Social Change in Malabar 1836-1982.* New Delhi : Sage Publications.

Thorner, D., & Thorner A. (1962). Land and Labour in India. Bombay : Asia Publications.

Betille, A. (1974). *Six Essays in Comparitive Sociology.* New Delhi : OUP.

Dhanagare, D. N. (1988). *Peasant Movements in India.* New Delhi : OUP.

Ashish, N. (1999). *Ambiguous Journey to the City.* New Delhi : OUP.

विषय कोड : एमएएस-16

विषय का नाम : आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- आधुनिक विचारकों के योगदानों से छात्र परिचित होंगे।
- विवेचनात्मक सिद्धांत की परिभाषा एवं इस सिद्धांत से संबंधित विद्वानों के सिद्धांतों को भी छात्र समझने में सक्षम होंगे।
- संरचनाकरण एवं उत्तर-संरचनावाद में अंतर को समझेंगे। छात्र इन सिद्धांतों से संबंधित सिद्धांतकारों के योगदान को लिखने में सक्षम होंगे।
- आधुनिकता का अर्थ, परिभाषा एवं भारत में आधुनिकता की प्रासंगिकता को छात्र समझ सकेंगे तथा समालोचना करने में भी सक्षम होंगे।
- आधुनिकता के सिद्धांतों की भी समालोचना करने में छात्र सक्षम होंगे।
- उत्तर-आधुनिक सिद्धांत के क्षेत्र से छात्र परिचित होंगे।
- उत्तर-आधुनिक सिद्धांत के सिद्धांतकारों के विचारों की प्रासंगिकता एवं इनकी समालोचना करने में छात्र सक्षम होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

3. सत्रांत परीक्षा : 70 %
4. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक (II)

खण्ड (1) विवेचनात्मक सिद्धांत

इकाई : 1 विवेचनात्मक सिद्धांत : अर्थ एवं परिभाषा

इकाई : 2 मैक्स होर्खाईमर

इकाई : 3 थिओडोर एडोर्नो

इकाई : 3 हर्बर्ट मार्कुज

खण्ड (2) संरचनाकरण एवं उत्तर-संरचनावाद/नवसंरचनावाद

इकाई : 1 संरचनाकरण : अर्थ एवं परिभाषा

इकाई : 2 लेवी स्ट्रास

इकाई : 3 उत्तर-संरचनावाद : अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं

इकाई : 4 लुई अल्थ्यूजर

खण्ड (3) आधुनिकता

इकाई : 1 आधुनिकता का अर्थ, परिभाषा एवं लक्षण

इकाई : 2 भारत में आधुनिकता एवं भारतीय सिद्धांतवेत्ता

इकाई : 3 आधुनिकता : सिद्धांत एवं पाश्चात्य सिद्धांतवेत्ता

इकाई : 4 गिडेंस

खण्ड (4) उत्तर-आधुनिकता

इकाई : 1 उत्तर-आधुनिकता का अर्थ, परिभाषा एवं लक्षण

इकाई : 2 जॉक देरिदा एवं मिशेल फूको

इकाई : 3 फ्रेड्रिक जेमेंसन एवं ल्योतार्ड

इकाई : 4 ज्यां बोड्रिलार्ड एवं जॉर्ज रिट्ज़र

Abraham, M. F. (1990). *Modern Sociological Theory : An Introduction.* New Delhi : OUP.

Appadurai, A. (1997). *Modernity At Large : Cultural Dimensions of Globalization.* New Delhi : OUP.

Harrison, D. (1989). *The Sociology of Modernization and Development.* New Delhi : Sage.

Sharma, S. L. (1994). Salience of Ethnicity in Modernization : Evidence from India. Sociological Bulletin, 39(1&2) 33-51.

Giddens, A. (1990). *The Consequences of Modernity.* Cambridge : Polity Press.

Wallerstein, I. (1974). *The Modern World System.* New York : OUP.

Levi Strauss. Clande (1953), Social Structure; in A.L.Krocher's edited Anthropology today, Chicago

University Press.

Majumdar. D.N. & T.N. Madan. An Introduction to Social Anthropology. New York.

Radcliffe-Brown. A.R., (1952), Structure & Function in Primitive Societies (edited by E.E. Evans-

Pritchard): The English Language Book Society & Cohen & West Ltd. London.

Ritter. G (1998). Sociological Theory. N.Y. Macgraw Hill.

Turner, J.H. The Structure of Sociological Theory. Homewood. Dorsey Press.

Abraham and Morgan, Sociological Thought: Macmillan India Limited.

Abraham. Francis. Modern Sociological theory: Oxford University Press.

Makhanjha. An Introduction to Anthropology..

Parsons. 1(195 I) The Social System, Glenoce. III The Free Press.

Max Black-Social Theories of Talcott Parsons.

विषय कोड : एमएएस-17

विषय का नाम : भारतीय सामाजिक समस्याएँ

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- भारतीय समाज एवं सामाजिक समस्याओं के विभिन्न स्वरूपों को छात्र समझने में सक्षम होंगे।
- सामाजिक समस्याओं को समझने की विभिन्न अध्ययन पद्धतियों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
- सामाजिक समस्या की पहचान एवं निवारण के विभिन्न साधनों से छात्र परिचित होंगे।
- समाज के विभिन्न वर्गों की सामाजिक समस्याओं की पहचान एवं निवारण की प्रक्रिया को छात्र समझ सकेंगे।
- सामाजिक समस्या के आंतरिक एवं बाह्य कारणों तथा समाधान की प्रक्रिया को छात्र जानेंगे।
- पर्यावरण संसाधन की समस्या एवं निवारण से भी छात्र परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

5. सत्रांत परीक्षा : 70 %
6. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

भारतीय सामाजिक समस्याएँ

खण्ड (1) भारतीय सामाजिक रूपरेखा एवं समस्याएँ

इकाई : 1 सामाजिक समस्या एवं सामाजिक परिवेश

इकाई : 2 सामाजिक समस्या : अवधारणा एवं उपागम

इकाई : 3 सामाजिक रूपांतरण एवं समस्याएं

इकाई : 4 अध्ययन पद्धतियां एवं संगठन

खण्ड (2) सामाजिक संरचनात्मक संक्रमण एवं समस्याएं

इकाई : 1 पारिवारिक संरचना

इकाई : 2 नगरीकरण

इकाई : 3 प्रवासन एवं विस्थापन

इकाई : 4 सामाजिक जननांकिकी

खण्ड (3) पहचान, अलगाव एवं सामाजिक न्याय

इकाई : 1 महिलाए, वृद्ध, बच्चे एवं युवा वर्ग

इकाई : 2 नृजातीयता, अल्पसंख्यक एवं अनुसूचित वर्ग

इकाई : 3 श्रमिक वर्ग एवं रोजगार : बाल, महिला, ग्रामीण एवं औद्योगिक

इकाई : 4 हिंसा, आतंकवाद एवं मादक द्रव्य व्यसन

खण्ड (4) पर्यावरण एवं संसाधन : पहुंच, नियंत्रण एवं प्रबंधन

इकाई : 1 जल

इकाई : 2 जंगल

इकाई : 3 मृदा

इकाई : 4 राज्य एवं अन्य संगठन

Agarwal, B. (1994). *A Field of One's Own : Gender and Land Rights in South Asia.* Cambridge : Cambridge University Press.

Dereze, J., & Sen. A. (1996). *India : Economic Development and Social Opportunity.* New Delhi : OUP.

Giddens, A. (1996). *Global Problems and Ecological Crisis in Introduction to Sociology.* New York : W.W. Norton & Co.

Srinivas, M. N. (1966). *Social Change in Modern India.* Berkley : University of Berkley.

UNDP. Sustainable Development. New York : OUP.

Sharma, S. L. (2000). *Empowerment Without Antagonism : A Case for Reformulation of Women's Empowerment Approach.* Sociological Bulletin, 49(1).

World Commission on Environment and Development. (1987). *Our Common Future.*

(Brundland Report). New Delhi : OUP.

Singh, K. S. (1992). *The People of India : An Introduction.* Calcutta : Seagull Publishing.

Smith, A. (1986). *The Ethnic Origins of Nations.* Oxford : Blackwell Press.

Veer, V. P. (1994). *Religious Nationalism : Hindus and Muslims in India.* Berkeley : University of California Press.

Walker, C. (1994). *Ethnonationalism : The Quest for Understanding.* Princeton : Princeton University Press.

Guha, R. C. (1991). *Subaltern Studies.* New York: OUP.

Inden, R. (1990). *Imaging India.* Oxford : Brasil Blackward.

विषय कोड : एमएएस-18

विषय का नाम : संविधान एवं मानवाधिकार

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी –

- संविधान का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र को छात्र समझ सकेंगे।
- संविधान की नींव एवं इनके प्रकारों को छात्र समझ सकेंगे।
- भारतीय संविधान के मूल कर्तव्य को समझने और लिखने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
- भारतीय संविधान के नीति निर्देशक तत्व एवं संविधान में संशोधन की प्रक्रिया को आप समझने में सक्षम होंगे।
- मानवाधिकार के दार्शनिक पक्षों एवं इनके निर्माण को समझने में विद्यार्थी समझ होंगे।
- मानवाधिकार के विकास के चरण एवं सिद्धांतों को समझने एवं लिखने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
- मानवाधिकार के विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संगठनों से परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

7. सत्रांत परीक्षा : 70 %
8. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

संविधान एवं मानवाधिकार

खण्ड (1) **भारतीय संविधान**

इकाई : 1 भारतीय संविधान का इतिहास

इकाई : 2 भारतीय संविधान का परिचय

इकाई : 3 भारतीय संविधान की विशेषताएँ

खण्ड (2) **भारतीय संविधान की अंतर्वस्तु**

इकाई : 1 मूल अधिकार एवं कर्तव्य

इकाई : 2 राज्य के नीति निर्देशक तत्व

इकाई : 3 संविधान संशोधन की प्रक्रिया

इकाई : 4 संविधान संबंधी समसामयिक विमर्श

खण्ड (3) **मानवाधिकार : दार्शनिक परिप्रेक्ष्य**

इकाई : 1 मानवाधिकार का परिचय

इकाई : 2 मानवाधिकार का दर्शन

इकाई : 3 मानवाधिकार के विकास का चरण

इकाई : 4 मानवाधिकार के सिद्धांत

खण्ड (4) **अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय परिदृश्य**

इकाई : 1 मानवाधिकार का सार्वभौमिक घोषणा-पत्र

इकाई : 2 विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संविदाएं

इकाई : 3 मानवाधिकार संबंधी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं

इकाई : 4 मानवाधिकार संबंधी राष्ट्रीय संस्थाएं

संदर्भ पुस्तकें :

कश्यप, सुभाषा. (1995). *हमारा संविधान*. नई दिल्ली: नेशनल बुक ट्रष्ट.

मेल्लील्ली, कुमार. प्रवीण. (2017). *भारत का संविधान, वृत्तिक अचरनीति और मानव अधिकार*. नई दिल्ली: सेज पब्लिकेशन.

नंदकिशोर, आचार्य. (2003). *मानवाधिकार के तकाजे*. बीकानेर: वाग्देवी प्रकाशन.

शर्मा, सुभाष. (2009). *भारत में मानवाधिकार*. नई दिल्ली: नेशनल बुक ट्रष्ट.

उपाध्याय, जय राम. (1999). *मानव अधिकार*. इलाहाबाद: सेंट्रल लॉ एजेंसी.

मानवाधिकार शिक्षण प्रतिष्ठान. (2009). *मानवाधिकार: एक परिचय*. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन.

विषय कोड : एमएएस-19

विषय का नाम : नगरीय समाजशास्त्र

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित को समझेंगे -

- नगरीय समाजशास्त्र के अध्ययन क्षेत्र एवं विषय-वस्तु से छात्र परिचित होंगे।
- नगर के बसावट एवं नगरीय पारिस्थितिकी को छात्र समझने में सक्षम होंगे।
- भारतीय नगरों के काल, उद्भव एवं विकास को विद्यार्थी समझेंगे एवं लिखने में सक्षम होंगे।
- नगरीकरण की प्रक्रिया एवं भारतीय समाज में नगरीकरण के प्रभाव को छात्र समझ सकेंगे तथा विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- नगरीय समस्याओं के कारणों एवं निवारण को छात्र पढ़ेंगे एवं लिखने में सक्षम होंगे।
- नगरीय प्रशासन व्यवस्था एवं कार्यपद्धति से छात्र परिचित होंगे।
- नगर नियोजन के सिद्धांत एवं भारत में नगरीय प्रशासन स्थापना एवं कार्यपद्धति से छात्र परिचित होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

9. सत्रांत परीक्षा : 70 %
10. सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %

नगरीय समाजशास्त्र

खण्ड (1) **नगरीय समाजशास्त्र का परिचय**

इकाई : 1 नगरीय पारिस्थितिकी : अवधारणा, सिद्धांत एवं बसावट

इकाई : 2 भारतीय नगर : काल, प्रकार एवं स्वरूप

इकाई : 3 भारत में नगरीय समाजशास्त्र : उद्भव, विकास एवं महत्त्व

खण्ड (2) **नगरीकरण एवं उसका प्रभाव**

इकाई : 1 नगरीकरण : स्तर एवं प्रवृत्ति

इकाई : 2 वैश्वीकरण एवं नगर

इकाई : 3 पारंपरिक पड़ोस एवं आधुनिक शहर

इकाई : 4 नगरीय विस्तार एवं ग्रामीण क्षेत्र

खण्ड (3) **नगरीय समस्या**

इकाई : 1 गरीबी

इकाई : 2 मलीन झुग्गी बस्तियां (स्लम)

इकाई : 3 पर्यावरण एवं बुनियादी संरचना

इकाई : 4 नगरीय विकास कार्यक्रम

खण्ड (4) **नगरीय प्रशासन**

इकाई : 1 स्थानीय स्व-प्रशासन एवं स्वयंसेवी संगठन

इकाई : 2 भारत में नगरीय शासन : अर्थ एवं सिद्धांत

इकाई : 3 नगर नियोजन

संदर्भ पुस्तकें :

Quinn, J. A. (1955). *Urban Sociology.* New Delhi : S Chand & Co.

Pickwance, C. G. (Ed.). (1976). *Urban Sociology.* Methuen : Critical Essays.

Abrahimson, M. (1976). *Urban Sociology.* Englewoot : Prentice Hall.

Ronnan, P. (2001). *Handbook of Urban Studies.* India : Sage.

Gold, H. (1982). *Sociology of Urban Life.* Englewood Cliff : Prentice Hall.

DSouza, A. (1979). *The Indian City : Poverty, ecology and urban development.* Delhi : Manohar Pbc.

Desai, A. R., & Pillai, S. D. (Ed.). (1970). *Slums and Urbanisation.* Bombay : Popular Prakashan.

Castells, M. (1977). *The Urban Question.* London : Edward Arnold.

Ramachandran, R. (1991). *Urbanisation and Urban Systems in India.* Delhi : OUP.

Ellin, N. (1996). *Post Modern Urbanisim.* Oxford : Oxford University Press.

Edward, W. S. (2000). *Post Metropolis : Critical Studies of cites and regions.* Oxford : Blakcwell.

Sylvia, F. F. (1968). *New Urbanism in World Perspectives-a Reader.* New York : T.Y.Cowell.

विषय कोड : एमएएस-20

विषय का नाम : परियोजना कार्य

क्रेडिट्स : 04 क्रेडिट

शिक्षण उद्देश्य :

इस परियोजना कार्य को पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी –

- शोध की विभिन्न तकनीकों के प्रयोगों को विद्यार्थी सीखेंगे।
- किसी घटना का अध्ययन कैसे और किन तकनीकों के प्रयोग से पूर्ण करना है, इस प्रक्रिया को विद्यार्थी सीखेंगे।
- सामाजिक घटनाओं के अवलोकन एवं विश्लेषण करने की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
- शोध परियोजना को पूर्ण करने के चरणों एवं इन विभिन्न चरणों की उपयोगिता से छात्र परिचित होंगे।
- विद्यार्थी अपने आस-पास घटने वाली समस्याओं के कार्य-कारण जानने में सक्षम होंगे।

मूल्यांकन के मानदंड :

11.सत्रांत परीक्षा : 70 %

12.सतत आंतरिक मूल्यांकन : 30 %